वार्षिक परीक्षा 2017-2018

हिन्दी भाषा

कक्षा : VII

समय : 2 घंटे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

---

1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखें :- **[15]**

(क) आपके मनोरंजन के प्रिय साधन ।

(ख) किसी एक पारिवारिक समारोह (ocassion) का वर्णन कीजिए, जिसमें घटी एक हास्यपूर्ण घटना में आप भी एक पात्र थे।

(ग) वे कौन-कौन से आदर्श गुण हैं जिनके आधार पर एक विद्यार्थी को 'आदर्श विद्यार्थी' कहा जा सकता है ?

(घ) आपके विद्यालय में एक मेले का आयोजन किया गया। यह बताइए कि किस अवसर पर किस उद्देश्य के लिए यह आयोजित किया गया। मेले की तैयारी में आप अपने योगदान की भी चर्चा करें।

2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखें। **[10]**

(क) कक्षा में खिड़की का शीशा भूल वश टूट जाने पर प्राचार्या से माफी माँगते हुए पत्र लिखें।

(ख) वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के लिए हो रहे ड्रिल अभ्यास का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखें।

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़े एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर यथासंभव अपने शब्दों में दें : **[15]**

विश्व प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात शक्ल-सूरत से अत्यंत कुरूप थे। एक दिन वे अकेले बैठे हुए हाथ में आईना लिए अपना चेहरा उसमें निहार रहे थे। उसी समय उनका एक प्रिय शिष्य वहाँ आया और सुकरात को आईने में अपना चेहरा निहारते हुए देखकर आश्चर्य से भर गया। वह कुछ बोला तो नहीं पर मुस्कराने लगा। उसकी मुस्कराहट ने बिना कुछ कहे ही बहुत कुछ कह दिया। विद्वान सुकरात ने उसके मन के भाव को भाँप लिया।

कुछ क्षणों के पश्चात् सुकरात ने कहा, हे शिष्य! तुम्हारी मुस्कुराहट ने तुम्हारे मन की बात मुझसे कह दी है। सम्भवतः तुम सोच रहे हो कि मेरे जैसा कुरूप व्यक्ति आईना क्यों देख रहा है।

शिष्य मौन रहा और उसका सिर लज्जा से झुक गया। वह कुछ क्षण तक उसी तरह खड़ा रहा। तत्पश्चात् गुरु ने फिर कहा, ''पुत्र! शायद मेरे आईना देखने का कारण तुम जानना चाहते हो।''

शिष्य ने हाँ में सिर हिलाया। उसकी आँखों में जिज्ञासा स्पष्ट दिखाई दे रही थी। सुकरात उसे देखते रहे फिर उत्साहित होकर बोले, ''मैं कुरूप हूँ, इसी कारण आईने में अपना कुरूप चेहरा प्रतिदिन अवश्य देखता हूँ। मैं अपने रूप को जानता हूँ। अतः प्रतिदिन भरसक प्रयत्न करता हूँ कि मैं ऐसे अच्छे काम करूँ जिनसे मेरी कुरूपता छिप जाए।''

शिष्य गुरु के इस तर्क से बहुत प्रभावित हुआ। यह एक शिक्षाप्रद सोच थी। उसके मन में एक प्रश्न उठा और उसने शंका प्रकट की, ''गुरुजी तब तो, सुन्दर मनुष्यों को कदापि आईना नहीं देखना चाहिए।''

Downloaded From www.iosboard.org

सुकरात ने उसकी शंका का समाधान इस प्रकार किया, ''ऐसी बात नहीं है। उन्हें भी आईना प्रतिदिन देखना चाहिए जिससे उन्हें स्मरण रहे कि वे जितने सुन्दर हैं उतने ही सुन्दर काम भी करें। यदि ऐसा नहीं हुआ तो उनके गन्दे कार्यों की काली छाया उनकी सुन्दरता को कुरूपता में बदल देगी। शिष्य, गुरु के विचारों से प्रभावित होकर उनके चरणों में श्रद्धापूर्वक नतमस्तक हो गया।

(क) सुकरात क्या कर रहे थे ? उन्हें देखकर शिष्य के मन में कौन-सा भाव उठा ?

(ख) शिष्य के भाव को गुरु ने कैसे जान लिया ? इससे उनकी कौन सी विशेषता का पता चलता है ?

(ग) सुकरात ने आईना में अपना चेहरा निहारने का कौन-सा तर्क दिया ? उस तर्क से आप कहाँ तक सहमत हैं ?

(घ) सुन्दर व्यक्तियों की प्रतिदिन आईना क्यों देखना चाहिए ?

(ङ) उपरोक्त गद्यांश से हमें क्या शिक्षा मिलती है ? समझाकर लिखिए।

4. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखें : (शब्द उतारें) **[4]**

वसंत, सुंदर, सोना, रात्रि

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखें : (शब्द उतारें) **[4]**

वरदान, संयोग, स्थूल, निर्माण, विरोध, सबल, रुग्ण, हित

6. निम्नलिखित अनेकार्थी शब्दों के दो-दो भिन्न अर्थ लिखें : (शब्द उतारें) **[4]**

वर, हेतु, विधि, हार,

7. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक-एक शब्द लिखें - **[4]**

i) जो सबको मान्य हो

ii) पूर्वजों से संबंधित

iii) दूसरों के कार्य में दखल देना

iv) थोड़ा बोलने वाला

8. निम्नलिखित उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाएँ : **[2]**

अव, परा

9. निम्नलिखित प्रत्ययों से दो-दो शब्द बनाएँ : **[2]**

ईला, इन

10. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखें। **[3]**

अपना-पराया, गिरिधर, मृगनयनी

Downloaded From www.icseboard.org

11. निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद करें : **[3]**

निष्काम, मनोबल, मनोयोग

12. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर किन्हीं दो से वाक्य बनाएँ : **[8]**

दाल में काला होना, मुट्ठी गरम करना, नाक रगड़ना

13. निम्नलिखित समश्रुत-भिन्नार्थक शब्दों के अर्थ लिखें - (शब्द उतारें) **[3]**

हरि	मत	सम्मान
हरी	मति	समान

14. निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तित करें :- **[3]**

(क) मोर उदास था । (वाक्य स्त्रीलिंग में बदलकर फिर से लिखें।)

(ख) मुझे केवल यही पुस्तक चाहिए । (वाक्य शुद्ध करें।)

(ग) मैं आठ बजे पाठशाला जाती हूँ। (भूतकाल में बदलिए।)

Downloaded From www.icseboard.org